जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

ہمارا وطن ہفت روزہ

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 अंक-21 | जयपुर, सोमवार, 1 जून, 2026 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

सिंगोद खुर्द के खुले कुँए में गिरा गौवंश

➦ गौ रक्षकों ने 2 घंटे की मशक्कत बाद निकाला ➦ गौरक्षक दल अध्यक्ष शेर सिंह कुमावत के नेतृत्व में हुआ रेस्क्यू

जयपुर (हमारा वतन)

चौमूं उपखंड के ग्राम सिगोंद खुर्द में सड़क किनारे निजी खातेदार के करीब 60 फुट गहरे खुले कुएं में बछडा गिर गया, जिसकी सूचना स्थानीय सरपंच प्रतिनिधी त्रिलोक लोच्छिब ने गौ रक्षक दल अध्यक्ष शेरसिंह कुमावत को दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे गौरक्षक शेरसिंह कुमावत के नेतृत्व मे राजू फौजी व सुरेश पलसानिया ने कुँए मे उतरकर करीब 2 घंटे की मशक्त के बाद क्रेन की सहायता से बछड़े को सकुशल जीवित बाहर निकालकर रायसिंह का बास स्थित मां सुरभी गौशाला भिजवाया।

गौरक्षक दल अध्यक्ष शेरसिंह कुमावत ने आमजन से अपील की है कि खुले कुँए

और बोरवैल के कारण आये दिन हादसे हो रहे है और ये आपके परिवारजनों को भी

काल का ग्रास बनाने का न्योता दे रहे हैं। प्रशासन भी खुले कुओं और बोरवैल को बंद करवाने के लिए सरकारी आदेश जारी कर चुका है। आपके आसपास भी कोई खुला कुआँ व बोरवैल हो तो उसे तत्काल ढंकवाएँ ताकि भविष्य मैं होने वाली किसी अनहोनी घटना से बचा जा सके।

इस दौरान गौ रक्षक दल के सदस्य राजेश सेन, राजेन्द्र गोस्वामी, सुरेश पलसानिया, घनश्याम यादव, राजू कुमावत, बबलू वर्मा सहित गौरक्षकों का सरपंच प्रतिनिधि त्रिलोक लोच्छिब व नायब तहसीलदार सुरेश देवत ने गौरक्षक दल के साहसिक कार्यों की सराहना की। वहीं खातेदारों को खुले कुँए को तत्काल ढंकवाने के लिए पाबंद किया।

वहीं जानकारी के लिए आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले ही गौरक्षक दल अध्यक्ष शेरसिंह कुमावत के घुटने का ऑपरेशन हुआ है। अभी ठीक से चल भी नहीं पा रहे हैं,लेकिन अपनी परवाह किए बिना गौवंश की जान बचाने निकल पड़े।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1,87,000 करोड़ रुपये दर्ज की बिक्री

नई दिल्ली (हमारा वतन)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1,87,000 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की है। आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते

हुए कहा कि यह उपलब्धि लाखों ग्रामीण कारीगरों की कड़ी मेहनत के कारण संभव हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013-14 की तुलना में पिछले 12 वर्षों में बिक्री में 501 प्रतिशत, उत्पादन में 380 प्रतिशत और रोजगार सृजन में 56 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

मनोज कुमार ने कहा कि 12 वर्ष पहले खादी उद्योग का कारोबार केवल 30 से 32 हजार करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि के.वी.आई.सी. दो करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है, जिनमें से 80 प्रतिशत महिलाएं हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि खादी उत्पादों के कारोबार को और बढ़ावा देने के लिए आयोग जल्द ही ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म लॉन्च करेगा। उन्होंने कहा कि खादी अब महज एक पारंपरिक उत्पाद नहीं रह गई है, बल्कि आत्मनिर्भर, स्वदेशी गौरव और ग्रामीण समृद्धि वाले नए भारत का एक जीवंत प्रतीक बन गई है।

अपने संस्कारों का आदान प्रदान होता है समर कैंप में - डॉ.सोनी

ऋषिकेश (हमारा वतन)। पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज आईडीपीएल वीरभद्र में आयोजित द्वितीय दिवस के समर कैंप के मुख्य अतिथि मीरा नगर के पार्षद हर्षवर्धन रावत और कार्यक्रम की अध्यक्षता समर कैंप नोडल अधिकारी पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने की । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रवलित कर किया गया।

छात्रों को संबोधित करते हुए हर्षवर्धन रावत ने कहा कि निरंतर कार्य व मेहनत करने वाले को सफलता अवश्य मिलती है उन्हे धैर्य रखने की जरूरत है। बदलते परवेश में हम अपनी संस्कृति, बोली को भूलते जा रहे है अब जरूरत अपनी संस्कृति, परंपराओं व अपनी बोली भाषा का संरक्षण करना होगा तभी वह बची रहेगी। हमारे आनेवाली पीढ़ी उसका अनुकरण कर सके।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र

सोनी ने कहा कि जीवन का उद्देश्य होना अति आवश्यक है। बिना उद्देश्य के हम भटक जाते हैं।

हमारी युवा पीढ़ी पाश्चात्य देशों की नकल करते हुए अपनी संस्कृति व रीति रिवाजों को भूलते जा रही है,जबकि उन्हें अपनी संस्कृति व परंपराओं को अपनाना चाहिए। शिक्षा हमें अपने संस्कृति को भूलना नहीं सिखाती बल्कि उसका संरक्षण करने की सीख देती है। सभ्य समाज की पहचान उसके रीति रिवाजों व परंपराओं से होती है।

इस दौरान डॉ. सोनी ने मुख्य अतिथि को पौधा उपहार में भेंट किया। अनामिका रावत ने संस्कृत भाषा के बारे में छात्रों को बताया। कार्यक्रम में दिवाकर नैथानी, माधुरी रावत, सुनीता पंवार, रेखा पंवार, सुमित, चांदनी एवं अन्य उपस्थित थे।

तनिषा कुलश्रेष्ठ फाउंडेशन ने जयपुरिया हॉस्पिटल में भेंट किया जम्बो कूलर

जयपुर (हमारा वतन)। तनिषा कुलश्रेष्ठ फाउंडेशन द्वारा जयपुर के जयपुरिया हॉस्पिटल में मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए एक जम्बो कूलर समर्पित किया है।

फाउंडेशन डायरेक्टर आयुषी और मुकुल कुलश्रेष्ठ ने बताया कि हमारी लाडली बेटी डॉ. तनिषा कुलश्रेष्ठ की पुण्य स्मृति में आज यह कूलर भेंट किया गया है। तनिषा का दिल हमेशा दूसरों के लिए धड़कता था। किसी की मदद करना, जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना और समाज सेवा करना उसकी सबसे बड़ी खुशी थी। उसकी यही सोच और मानवता के प्रति प्रेम हमें निरंतर अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देता है। आज यह छोटा सा प्रयास उसकी यादों को नमन करने और उसके सपनों को आगे बढ़ाने की एक विनम्र कोशिश है।

वहीं राजकीय जयपुरिया चिकित्सालय

के अधीक्षक और प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जीवराज सिंह ने कहा कि आपके इस सहयोग ने हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चिकित्सा परिवार आपको धन्यवाद और आभार ज्ञापित करता है। यह कार्य हमें प्रेरित करता है कि हम मरीजों के लिए और बेहतर कार्य करें। इस नेक कार्य ने हमें यह विश्वास दिलाया कि समाज में अच्छाई और सहयोग की भावना अभी भी जीवित है।

राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय बिझौली के शिक्षक डॉ.अशोक पाल सिंह ने मनाया विश्व पोषण दिवस

उत्तराखंड (हमारा वतन)। 28 मई 2026 को विश्व पोषण दिवस मनाया गया, जिसका उद्देश्य संतुलित पोषण, स्वस्थ जीवन की पहचान है। पोषण अपनाएं, जीवन को स्वस्थ एवं संतुलित खुशहाल बनाएं। पोषण दिवस के अवसर पर शिक्षक/पर्यावरण मित्र डॉ. अशोक पाल सिंह ने कहा पोषण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा जीव अपने शरीर के लिए भोजन प्राप्त करते हुए उसे पचाते हैं और उससे ऊर्जा प्राप्त करते हैं। पेड़-पौधे स्वयं भोजन बनाते हैं जबकि जीव-प्राणी दूसरों पर निर्भर हैं।

मानव जीवन में बच्चे समाज एवं देश के लिए महत्वपूर्ण हैं। 5 वर्ष की आयु में बच्चे का लगभग 90% मस्तिष्क विकास पूर्ण हो जाता है। यह विकास की चरम सीमा होती है। अपने वातावरण को समझने में स्वतंत्र और सामाजिक रूप से सक्रिय व्यक्ति बन जाता है। अपना नाम लिखना एवं भाषा-शब्द बोलना सीख जाता है। वह कल्पना और वास्तविकताओं में अंतर समझने लगता है।

यह समाज में बच्चे के वातावरण पर निर्भर करता है। स्वास्थ्य, वातावरण एवं पोषण समय के अनुसार सामाजिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है। बच्चा जैसा देखता है, वैसी ही अनुकरण (नकल) करता है। बच्चे के वातावरण एवं खान-पान (पोषण) पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

UEM जयपुर में आए टॉप रिक्रूटर्स, स्टूडेंट्स को मिले शानदार प्लेसमेंट ऑफर्स

जयपुर (हमारा वतन)

यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जयपुर में प्लेसमेंट का सीज़न ज़बरदस्त सफलता देख रहा है। 2026 में पास होने वाले बैच के लिए लगातार कैंपस रिक्रूटमेंट ड्राइव चलाई जा रही हैं, साथ ही 2027 में ग्रेजुएट होने वाले प्री-फाइनल ईयर के छात्रों के लिए इंटर्नशिप और प्री-प्लेसमेंट के मौके भी दिए जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ने एक बार फिर इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, कंप्यूटर एप्लीकेशंस और दूसरे प्रोफेशनल विषयों के छात्रों के लिए बेहतरीन करियर के मौके पक्का करने की अपनी कमिटमेंट को साबित किया है।

UEM जयपुर में चल रहे प्लेसमेंट ड्राइव में कई जानी-मानी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने हिस्सा लिया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़, इंफोसिस, विप्रो, कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी, एक्सेंचर, टेक महिंद्रा, P2C, डेलॉइट, IBM, HCLTech, L&T टेक्नोलॉजी सर्विसेज़, Byju's, Hexaware टेक्नोलॉजीज़, Zscaler जैसी मशहूर कंपनियों के अलावा कई कोर इंजीनियरिंग, एनालिटिक्स, फाइनेंस, कंसल्टिंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट कंपनियों ने यूनिवर्सिटी कैंपस में रिक्रूटमेंट ड्राइव चलाई हैं।

UEM जयपुर के छात्रों को इस सीज़न में प्लेसमेंट के बहुत ही आकर्षक ऑफर मिले हैं। कई छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, बिज़नेस एनालिटिक्स, VLSI, कोर इंजीनियरिंग और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे क्षेत्रों में जानी-मानी कंपनियों से कई ऑफर भी मिले हैं।

कुलपति प्रो. डॉ. विश्वजॉय चटर्जी ने कहा, UEM जयपुर ने हमेशा शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान और उद्योग के अनुभव को एकीकृत करके छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारे छात्रों की

लगातार प्लेसमेंट सफलताएँ उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासित दृष्टिकोण और संकाय सदस्यों तथा कॉर्पोरेट संबंध टीम द्वारा प्रदान की गई समर्पित मेंटरिंग का परिणाम हैं।

रजिस्ट्रार और प्रोवोस्ट प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा, विश्वविद्यालय लगातार हर पात्र छात्र को प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करने का प्रयास करता है। हमारा ध्यान छात्रों को उद्योग की नवीनतम मांगों के अनुसार तैयार करने पर बना रहता है।

कॉर्पोरेट संबंध विभाग के वरिष्ठ उप निदेशक अनीश विश्वनाथ ने टिप्पणी की, कॉर्पोरेट संबंध विभाग सभी संकायों के छात्रों के लिए विविध करियर के अवसर लाने हेतु व्यापक रूप से कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट टीम सचिन पांडे, शंकर सिंह, राजा सरकार, अनुज सेठी और साक्षी प्रिया सिंह शामिल हैं। यह टीम अनीश विश्वनाथ के समन्वय और मार्गदर्शन में पूरी कुशलता से काम करती है।

सेवा से सजे संवेदना के दीप

जहाँ कहीं पीड़ा रोती हो,
वहाँ दया का दीप जलाएँ।
गिरते हुए थके जीवन को,
फिर से जीना हम सिखलाएँ।
निर्बल के सूने आँगन में,
आशा के सुमन खिलाएँ।
सेवा के पावन स्पर्शों से,
जीवन में मुस्कान सजाएँ।
भूखे अधरों की वेदना को,
रोटी बनकर हम हर लें।
सूखी आँखों के सावन में,
स्नेह सुधा के मेघ भरें।
जिसके सपने टूट गए हों,
उसको फिर विश्वास दिलाएँ।
अँधियारे मन के कोनों में,
नेह-प्रेम के दीप जलाएँ।
निसहाय अबला के मन में,
जब स्नेह-सहारा खिलता है।
सूने जीवन के आँगन में,
आशा का दीपक जलता है।
करुणा के कोमल स्पर्शों से,
हर पीड़ा पल में ढल जाती।
सेवा-सहयोग की किरणों से,
विरक्ति का उजाला पलता है।
सहयोगों की मधुर छाँव में,
हर पीड़ा हल्की हो जाती।
करुणा की निर्मल गंगा से,
जीवन धारा पावन बन जाती।
मानवता का धर्म यही है,
सबके दुःख में साथ निभाएँ।
निस्वार्थ सेवा के पथ पर चल,
जग में उजियारा फैलाएँ।
सेवा से बढ़कर जग में कोई,
यज्ञ नहीं, उपकार नहीं।
दीन-दुखी के आँसू पोंछे,
उससे बढ़कर प्यार नहीं।

महेन्द्र सिंह कटारिया,
नीमकाथाना, राजस्थान

राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन का नवम महाधिवेशन संपन्न,
मुख्यमंत्री ने किया कर्मचारी कल्याण स्मारिका का विमोचन

जयपुर (हमारा वतन)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को पूरा करने में कार्मिकों की अहम भूमिका है। ईमानदारी और पारदर्शिता से किया गया कार्य ही सुशासन की पहचान बनता है। इसलिए जनता को समय पर सेवाएं देकर कार्य संस्कृति को मजबूत बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि कार्मिक अपनी सेवा में पूर्ण शुचिता को अपनाएं और भ्रष्ट आचरण के दलदल से दूर रहकर जन सेवा के ध्येय को और अधिक मजबूत बनाएं।

मुख्यमंत्री शनिवार को जयपुर के आरआईसी में आयोजित राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के नवम महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' के मूलमंत्र पर चलते हुए हमने 103 अधिकारियों को निलंबित किया है, 6 अफसरों को सेवा से बर्खास्त किया है और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है।

वहीं रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरुपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य प्रकरणों में भी कठोर कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा कि आमजन का सबसे पहला और सीधा संपर्क नगर निकाय के कर्मचारियों से ही होता है। ये सफाई, पेयजल, सड़क से लेकर सीवर, पार्कों का रखरखाव, अग्निशमन व जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं के माध्यम से जनता के जीवन को आसान और सुरक्षित बनाते हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के इस दौर में आने वाले वर्षों में नगर निकायों की भूमिका और भी अधिक निर्णायक, व्यापक और महत्वपूर्ण होने जा रही है। ऐसे में वे सभी अपनी सेवा और समर्पण की भावना से प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

रिसाणी भेरूजी मंदिर में हुआ विशाल भजन संध्या और भंडारे का आयोजन

रामपुरा डाबड़ी (हमारा वतन)। रामपुरा डाबड़ी तहसील के रिसाणी ग्राम में प्रसिद्ध भेरुजी के मंदिर में विशाल जागरण और भंडारे का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ किया गया । इस दौरान बड़ी संख्या में ग्राम के महिला, पुरुष, युवा और बच्चे मौजूद रहे । ग्रामीण लोगों ने भैरव जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया ।

भैरवनाथ सेवा समिति ग्राम रिसाणी अध्यक्ष कानाराम गुर्जर, सचिव कानाराम यादव, उपाध्यक्ष शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष बद्री जाट, रामकरण जाट, मामराज यादव मदन शर्मा सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

राजस्थान आइसस्टॉक टीम ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीते कई पदक

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान आइसस्टॉक एसोसिएशन की महासचिव साक्षी शर्मा ने बताया कि 13वीं राष्ट्रीय आइसस्टॉक स्पोर्ट चैम्पियनशिप का आयोजन 22 से 24 मई 2026 तक देहरादून, उत्तराखंड स्थित हिमाद्री आइस रिंक में इंडियन आइसस्टॉक स्पोर्ट फ़ेडरेशन के तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता में राजस्थान टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए।

सीनियर महिला वर्ग में राजस्थान टीम ने टीम गेम और टीम टारगेट इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक रजत एवं एक कांस्य पदक हासिल किया। वहीं अंडर-23 आयु वर्ग में बालक टीम ने टीम गेम इवेंट में रजत पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में रवि मीणा ने कांस्य पदक, जबकि सलोनी एवं सिमरन ने रजत पदक तथा गुंजन ने भी रजत पदक जीतकर राजस्थान का नाम रोशन किया।

टीम मैनेजर समीर शर्मा ने पूरी प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे टीम विषम परिस्थितियों में भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए पदक जीतने में सफल रही। प्रतियोगिता में रेफरी के रूप में समीर मीणा तथा रवि कुमार मीणा ने अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

सभी खादी संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करवाने के लिए हमें जरूर भेजें !
Email-hamarawatan65@gmail.com, whatsapp-9214996258.
Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

जॉब्स

1. इंडियन रेलवे, पद असिस्टेंट लोको पायलट, पद संख्या 11127, अंतिम तिथि 16 जून 2026
2. स्टाफ सिलेक्शन कमिशन पद सीजीएल, पद संख्या 12256, अंतिम तिथि 22 जून 2026
3. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद आरएएस, पद संख्या 607, अंतिम तिथि 3 जुलाई 2026
4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, पद कंप्यूटर अनुदेशक, पद संख्या 3951, अंतिम तिथि 23 जून 2026
5. संघ लोक सेवा आयोग, पद एनडीए/सीडीएस पद संख्या 394/451 अंतिम तिथि 9 जून 2026
6. नेशनल अल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड, पद नोन एग्जीक्यूटिव पोस्ट, पद संख्या 268, अंतिम तिथि 10 जून 2026
7. स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, पद अप्रेंटिस, पद संख्या 7150, अंतिम तिथि 8 जून 2026
8. इंडियन एयर फोर्स, पद एएफसीएटी, पद संख्या 482, अंतिम तिथि 19 जून 2026

बॉलीवुड चटकारा

रिद्धिमा पंडित ने अनन्या पांडे पर कसा तंज, शोभा डे ने की एक्ट्रेस की तारीफ

'चांद मेरा दिल' में भरतनाट्यम करने के बाद अनन्या पांडे खूब ट्रोल हो रही हैं। इस बीच रिद्धिमा पंडित ने अनन्या पांडे पर तंज कसा है। वहीं शोभा डे ने उनकी तारीफ की है। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ट्रोल हो रही हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर उनकी लेटेस्ट फिल्म 'चांद मेरा दिल' का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अनन्या भरतनाट्यम फ्यूजन डांस करती नजर आ रही हैं। लोग उनके डांस मूव्स देख उनकी आलोचना कर रहे हैं। इस बीच एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित ने उनपर तंज कसा है। वहीं शोभा डे ने उनका साइड लिया है।

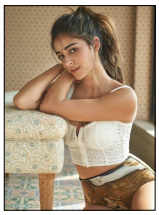

रिद्धिमा पंडित ने क्या कहा? स्क्रोल करते वक्त रिद्धिमा पंडित की नजर एक रील पर पड़ी। इस रील में अनन्या भरतनाट्यम फ्यूजन डांस करती दिख रही हैं और वीडियो के ऊपर लिखा है, 'जब आप अपने कल्चरल प्रोग्राम के लिए ऑनलाइन ट्यूटोरियल से भरतनाट्यम सीखते हैं।' रिद्धिमा ने इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'हिम्मत तो है (दो रोने वाले इमोजी)'।**शोभा डे ने की अनन्या पांडे की तारीफ**-शोभा डे ने वीडियो पोस्ट कर अनन्या का साइड लिया। उन्होंने कहा, 'अनन्या ट्रेंड भरतनाट्यम डांसर नहीं हैं। अगर किसी की आलोचना करनी ही है, तो कोरियोग्राफर और डायरेक्टर की नहीं करनी चाहिए? अनन्या को निशाना बनाया जा रहा है? उन्होंने लिप-सिंक किया, उन्होंने डांस किया, उन्होंने एक्सप्रेशन दिखाए। क्या ये सब आसान है? ये बिल्कुल भी आसान नहीं है।'

चंकी पांडे ने ली बेटी की साइड-अनन्या के पिता और एक्टर चंकी पांडे अपनी बेटी का बचाव करने के लिए आगे आए। उन्होंने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मुझे लगता है लोग गलत समझ रहे हैं। अनन्या ने भरतनाट्यम नहीं किया है। उन्होंने एक फ्यूजन परफॉर्म किया। ये एक तरह का एक्सपेरिमेंटल डांस जैसा आप कॉलेज के स्टूडेंट्स को सोशल या कल्चरल इवेंट्स में करते हुए देखते हैं।

सुष्मिता सेन ने जब बेटी को लिया था गोद, भाग गया था मैनेजर, चेतावनी देते हुए कहा था- फिल्मों में अब...

सुष्मिता सेन 24 साल की उम्र में सिंगल मदर बन गई थीं। 24 साल की उम्र में उन्होंने बड़ी बेटी रेने को गोद लिया था। सुष्मिता के इस फैसले ने सबको हैरान कर दिया था। वहीं कई ने उनके इस फैसले पर नेगेटिव कमेंट्स भी किए थे। अब सुष्मिता ने सालों बाद इस पर बात की और बताया कि कैसे उनके इस फैसले के बाद उनके मैनेजर ने उन्हें छोड़ दिया था। इसके अलावा उन्होंने एक वॉर्निंग दी थी कि कोई उन्हें लीड रोल नहीं देगा।

बेटी को गोद लेने पर मैनेजर छोड़कर भाग गया था- मीडिया से बात करते हुए सुष्मिता ने कहा, 'जब मैंने पहली बेटी को गोद लिया तो मेरा मैनेजर भाग गया। उसने कहा कि तुम अपने करियर को लेकर सीरियस नहीं हो और मैं किसी ऐसे को रिप्रजेंट नहीं कर सकता जो 24 की उम्र में मां बन गई हो। करेक्टर रोल भी नहीं मिलेंगे आपको। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं थी, मैं अपने फैसले पर टिकी रही और आप विश्वास नहीं करेंगे कि मां बनने के बाद मैंने अपने करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्में दीं।'

मैं दूसरों के नहीं अपने नियम पर जीती हूं-सुष्मिता ने आगे कहा, 'मैं एक सेल्फ मेड वुमन हूं। मेरा कोई गॉडफादर नहीं रहा है। किसी ने मुझे कोई प्लेटफॉर्म नहीं दिया। मैंने खुद अपना सब किया है इसलिए किसी और के रूल मेरे लिए नहीं हैं। मेरे रूल ही सिर्फ मुझपर अप्लाई होते हैं। मैं यंग मदर बनना चाहती थी और उसे बेस्ट चाइल्डहुड देना चाहती थी। अच्छा है तब वैसा ही सब हुआ जैसा सोचा था।'

शादी और उम्र पर ट्रोल करने पर भड़कीं शमिता शेट्टी ट्रोलर से बोलीं- शादी करके आपने क्या उखाड़ लिया सिंगल महिलाओं को ऐज शेम करना बंद करें

शिल्पा शेट्टी की बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी उम्र और शादी को लेकर कमेंट करने वाले ट्रोलर्स को कड़ा जवाब दिया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए शमिता ने उन लोगों पर निशाना साधा जो सिंगल महिलाओं को ऐज-शेम करते हैं। 47 वर्षीय शमिता ने कहा कि वे शादी करने की किसी जल्दबाजी में नहीं हैं और अपनी जिंदगी में बेहद फिट और खुश हैं।

उन्होंने ट्रोलर्स की पुरुष-प्रधान और पिछड़ी सोच पर आपत्ति जताते हुए उन्हें तुरंत अनफॉलो करने की सलाह दी है। कमेंट करने वाले को कहा- बदलाव प्राकृतिक है शमिता शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ट्रोलर की पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसमें यूजर ने लिखा था कि आपकी उम्र हो गई है और अब पहले वाली बात नहीं रही। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शमिता ने लिखा, हां, मैं अब अलग दिखूंगी। समय के साथ चीजें बदलती हैं और यह जीवन का प्राकृतिक नियम है। शारीरिक बनावट सहित कुछ भी हमेशा के लिए एक जैसा नहीं रहता। लेकिन अपनी उम्र के हिसाब से मैं पूरी तरह स्वस्थ, फिट और खुश हूं। मेरे लिए सिर्फ यही मायने रखता है। शादी करके आपने क्या उखाड़ लिया यूजर ने शमिता की शादी को लेकर भी टिप्पणी की थी कि अगर समय पर शादी कर लेतीं तो आज बच्चे बड़े हो गए होते। इस पर शमिता ने तीखा पलटवार करते हुए पूछा, तो आपने शादी करके क्या उखाड़ लिया है भाई? सबसे जरूरी बात यह है कि आप लोग सिंगल महिलाओं को फॉलो ही क्यों करते हैं? सिर्फ इसलिए ताकि उन्हें ऐज-शेम कर सकें और उन पर अपनी पुरुष-प्रधान और आदिमानव जैसी पिछड़ी सोच थोप सकें? कृपया मुझ पर एक अहसान करें और मुझे तुरंत अनफॉलो कर दें।

IIFA 2026 से पहले इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी ने IIFA Connex की घोषणा की

मुंबई (हमारा वतन)। IIFA 2026 के लिए स्टेज तैयार करते हुए, इंडियन सिनेमा के दुनिया के सबसे जाने-माने सेलिब्रेशन, इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी वीकेंड एंड अवार्ड्स ने ऑफिशियली IIFA Connex लॉन्च किया। यह एक क्यूरेटेड प्लेटफॉर्म है जो मीडिया, एंटरटेनमेंट, फैशन, बिजनेस, कल्चर और क्रिएटिविटी से जुड़े असरदार लोगों को एक साथ लाता है ताकि मतलब की बातचीत, कोलेबोरेशन और कंटेंपररी थॉट लीडरशिप को बढ़ावा दिया जा सके।

एक आरामदायक और इंटिमेट लाउंज-स्टाइल सेटिंग में, शाम को इंडस्ट्री के साथ कॉकटेल पर बातचीत और कनेक्शन को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जिससे बड़े क्रिएटिव इकोसिस्टम के लिए एक प्रीमियम नेटवर्किंग एक्सपीरियंस बना। IIFA Connex के प्रीमियर एडिशन ने खुद को एक ऐसी जगह के तौर पर स्थापित किया जहाँ इंडस्ट्रीज़ एक साथ आती हैं और बातचीत मायने रखती है; जहाँ फ़िल्म, मीडिया, फ़ैशन, आर्ट्स, म्यूज़िक, बिज़नेस और कल्चर मिलकर भविष्य को आकार देते हैं। सेलिब्रिटीज़ की भीड़ से कहीं ज़्यादा, IIFA Connex समझ, काम का होने, इनोवेशन और आगे की सोच के लेन-देन के लिए एक फ़ोरम के तौर पर उभरा।

IIFA के को-फ़ाउंडर आदे टिमिंस ने इस पहल के पीछे का विज़न बताते हुए कहा, कई सालों से, मुझे लगता था कि हमारी इंडस्ट्री में एक ऐसी जगह की ज़रूरत है जो रेड कार्पेट, फ़ॉर्मैलिटीज़ और कमर्शियल एजेंडा से आगे हो, एक ऐसी जगह जहाँ लोग सच में एक साथ आकर जुड़ सकें, आइडियाज़ शेयर कर सकें, नए नज़रिए खोज सकें और बस एक आरामदायक और प्रेरणा देने वाले माहौल में मतलब की बातचीत का आनंद ले सकें।

कारवां सुरों का म्यूजिकल ग्रुप की संगीत संध्या 19 जुलाई को

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर शहर के संगीत प्रेमियों के लिए खुशी की खबर है। जी हाँ ! कारवां सुरों का म्यूजिकल ग्रुप द्वारा रेट्रो सीजन-1 संगीत संध्या का आयोजन 19 जुलाई को किया जाएगा।

सीएसके ग्रुप के फाउंडर और एडमिन विल्सन राय, आनंद शर्मा और सुधीर बादोलिया ने बताया कि 19 जुलाई को जयपुर शहर के जवाहर कला केंद्र में शाम 5 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक इस संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा। जिसमें शहर के उभरते हुए गायक कलाकार अपनी मधुर प्रस्तुतियां देंगे। सभी संगीत प्रेमियों के लिए प्रवेश निःशुल्क हैं।

ड्राई फेस पैक दिला सकते हैं आपको तमाम त्वचा संबंधी समस्याओं से छुटकारा

प्रोटीन का पावर हाउस होती हैं दालें, जो आपके बाल ही नहीं स्किन के लिए भी जरूरी है। तो क्यों न आज दालों से बने कुछ फेस पैक ट्राय किए जाएं। हम सभी जानते हैं कि दालें हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद पौष्टिक होती हैं। इनमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन और कई अन्य पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। परंतु क्या आप जानती हैं कि यह आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद हैं? और इनका प्रयोग आप अपने स्किन केयर रूटीन में भी कर सकती हैं? जी हां.. आपने सही सुना रसोई में पाई जाने वाली कई दालें त्वचा की देखभाल करने वाली सामग्री के रूप में काम कर सकती हैं। ये न केवल आपकी त्वचा को अंदर से निखारेंगी, बल्कि इसे आवश्यक पोषण प्रदान करेंगी। अगर आप भी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि दालें कैसे आपकी स्किन के लिए वरदान साबित हो सकती हैं, तो इस लेख को ज़रूर पढ़ें..

1. मूंग दाल :मूंग दाल एक बहुत ही गुणकारी सौंदर्य घटक है, क्योंकि इसमें विटामिन A और C होता है, जो चेहरे के लिए एक प्राकृतिक चमक सुनिश्चित कर सकती है। गर्मियों के दौरान सनटैन बहुत आम है। अपनी त्वचा पर हानिकारक यूवी किरणों के प्रभाव को दूर करने के लिए इस फेस पैक को लगाएं।

सन टैन हटाने के लिए मूंग दाल फेस पैक: दाल को रात भर भिगो दें और फिर पीसकर पेस्ट बना लें। पेस्ट में कुछ ठंडा दही या एलोवेरा जेल मिलाएं और इसे प्रभावित जगह पर कुछ मिनट के लिए लगाएं। इसे धीरे से धो लें और एक साफ तौलिये से थपथपाएं। टैन्ड त्वचा से छुटकारा पाने के लिए जब भी आवश्यकता हो प्रक्रिया को दोहराएं।

2. मसूर दाल:मसूर दाल पैक का उपयोग त्वचा को एक्सफोलिएट करने, रोमछिद्रों को कसने, आपकी त्वचा को चमकदार बनाने और टैन हटाने के लिए भी किया जाता है। यह आपकी त्वचा को साफ करेगा, इसे नरम करेगा, इसे पोषण देगा और मुंहासों को रोकने के लिए इसे तेल मुक्त बना देगा।

त्वचा को स्क्रब करने के लिए मसूर दाल:मसूर दाल को रात भर पानी में भिगो दें। इसे गाढ़े पेस्ट में पीस लें, अब 1/3 कप कच्चा दूध डालें। गाढ़ा पेस्ट बना लें और इसे अपने चेहरे पर सर्कुलर मोशन में लगाएं। इसे 20 मिनट के लिए रख दें और धोकर सुखा लें।

3. चना दाल: चना दाल आपकी त्वचा की रंगत निखारने में मददगार साबित हो सकती है। इसमें क्लेंजिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो आपको साफ और निखरी त्वचा प्रदान करेंगी। यह आपकी त्वचा से तेल को बाहर निकालकर मुहांसों को जड़ से भगा सकती है। साथ ही, चना दाल काले धब्बे, पिगमेंटेशन आदि से छुटकारा दिलाकर आपको ग्लोइंग निखार देगी।

चना दाल फेस पैक: सबसे पहले चना दाल को भिगोकर पीस लें और इसका अच्छा पेस्ट तैयार कर लें। अब तीन चम्मच चना दाल में दो चम्मच दही, एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इसे अपने चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद धो लें। हफ्ते में ऐसा 2 से 3 बार करने से आपको फर्क दिखने लगेगा।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

लोकतंत्र को समर्पित हिंदी पत्रकारिता

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सभी पत्रकारों, लेखकों, संपादकों और पाठकों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे स्वस्थ, सकारात्मक और जिम्मेदार पत्रकारिता को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देंगे भारत में प्रत्येक वर्ष 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास और उसके समाज के प्रति योगदान को याद करने का अवसर है। हिंदी पत्रकारिता ने लोगों को जागरूक करने, समाज को सही दिशा देने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संघर्ष, साहस और जनहित की भावना के साथ पत्रकारों/लेखकों ने हमेशा आम जनता की आवाज उठाई है। आज सोशल मीडिया और आधुनिक तकनीक के दौर में भी यह दिवस हमें पत्रकारिता के मूल मूल्यों- सत्य, निष्पक्षता और जनसेवा को बनाए रखने की प्रेरणा देता है। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने तत्कालीन ब्रिटिश भारत की राजधानी कलकत्ता से हिंदी के प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन आरंभ किया। 'उदन्त मार्तण्ड' का शाब्दिक अर्थ है- 'उगता हुआ सूर्य'। यह एक साप्ताहिक समाचार पत्र था, जो प्रत्येक मंगलवार को प्रकाशित होता था। उस समय भारत में अंग्रेजी, फारसी, उर्दू और बांग्ला भाषाओं के समाचार पत्र प्रकाशित हो रहे थे, किंतु हिंदी भाषियों के लिए कोई समाचार पत्र उपलब्ध नहीं था। ऐसे समय में हिंदी पत्रकारिता का यह साहसिक कदम भारतीय भाषायी अस्मिता और जनजागरण की दिशा में एक ऐतिहासिक शुरुआत थी। हालांकि 'उदन्त मार्तण्ड' का जीवन बहुत लंबा नहीं रहा। सीमित पाठक संख्या, आर्थिक कठिनाइयों और ब्रिटिश सरकार द्वारा डाक शुल्क में कोई रियायत न दिए जाने के कारण यह समाचार पत्र दिसंबर 1827 में बंद हो गया। इसके बावजूद इसने हिंदी पत्रकारिता की मजबूत नींव रखी। केवल डेढ़ वर्ष के अपने छोटे से सफर में 'उदन्त मार्तण्ड' ने यह सिद्ध कर दिया कि पत्रकारिता केवल समाचार देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की चेतना को जागृत करने का सशक्त माध्यम भी है। इसी ऐतिहासिक योगदान की स्मृति में प्रतिवर्ष 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी समाचार पत्रों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनमत तैयार करने, लोगों को जागरूक करने और देशभक्ति की भावना जगाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यदि हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में देखा जाए तो यहां हिंदी मीडिया की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण रही है। पर्वतीय भौगोलिक परिस्थितियों, दूरदराज के गांवों और सीमित संसाधनों के बीच पत्रकारिता का विकास आसान नहीं था। एक समय ऐसा था जब प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों तक सड़कें नहीं पहुंची थीं और संचार सुविधाएं भी अत्यंत सीमित थीं। ऐसे कठिन दौर में समाचार पत्र और पत्रिकाएं ही लोगों को देश-दुनिया से जोड़ने का प्रमुख माध्यम थीं। इसलिए कहा जाता है कि पर्वतीय प्रदेश में पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन पत्थर से पानी निकालने के समतुल्य है। हिमाचल प्रदेश में पत्रकारिता का आरंभ उन्नीसवीं शताब्दी में शिमला से माना जाता है। सन् 1848 में 'द शिमला इंटेलिजेंसर', 'शिमला एडवरटाइजर', 'शिमला गार्जियन' और अन्य समाचार पत्र प्रकाशित होने लगे थे। इसी काल में शेख अब्दुल्ला द्वारा 'शिमला अखबार' का प्रकाशन किया गया, जिसे हिमाचल में भाषायी पत्रकारिता की शुरुआत माना जाता है। पिछले कुछ दशकों में हिमाचल प्रदेश में शिक्षा और साक्षरता के विस्तार के साथ हिंदी समाचार पत्रों और साहित्यिक पत्रकारिता का प्रभाव काफी बढ़ा है। आज प्रदेश में राष्ट्रीय समाचार पत्रों के साथ-साथ अनेक क्षेत्रीय और स्थानीय समाचार पत्र भी प्रकाशित हो रहे हैं। इन समाचार पत्रों ने न केवल समाचारों का प्रसारण किया है, बल्कि साहित्य, संस्कृति और सामाजिक चिंतन को भी मंच प्रदान किया है।

राम गोपाल सैनी

नर सेवा नारायण सेवा: दिव्यांग दंपती को पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने भेंट की स्कूटी

जयपुर (हमारा वतन)

समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को संबल प्रदान करने और नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प को साकार करते हुए भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राजस्थान व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने एक बार फिर संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल पेश की है। शर्मा ने सिंगोद खुर्द निवासी दिव्यांग रमेश कुमार सेठी और उनकी धर्मपत्नी ममता रैगर को स्कूटी भेंट कर उन्हें आत्मनिर्भरता का संबल प्रदान किया। पूर्व विधायक शर्मा का परिवारजनों और ग्रामवासियों द्वारा माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। दिव्यांगता के कारण यह दंपती चलने-फिरने और अपने रोजमर्रा के कार्यों के लिए काफी असहनीय व संघर्षपूर्ण जीवन जीने को मजबूर थे। इस अवसर पर रामलाल शर्मा ने दिव्यांग दंपती का माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें स्कूटी की चाबी सौंपी। स्कूटी पाकर दंपती के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। इस मौके पर रामलाल शर्मा ने कहा कि अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए समाज के हर वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना और उनके जीवन को सुगम बनाना ही हमारा मुख्य ध्येय है। इस संबल से अब इस दंपती का जीवन आसान हो सकेगा और वे समाज में आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ सकेंगे।

इस अवसर पर भाजपा गोविंदगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह शेखावत, थानाधिकारी विनोद सांखला, त्रिलोक लोच्छिब, सुरेश कुमार सैनी (सरपंच - सिंगोद कला), कजोड़ चोपड़ा (पूर्व सरपंच - सिंगोद कला), गोपाल यादव (पूर्व उपसरपंच - सिंगोद खुर्द), पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी चमन लाल वर्मा, वार्ड पंच प्रभु दयाल यादव, और वार्ड पंच महेंद्र कुम्हार, देवेंद्र सिंह राठौड़, पवन चोपड़ा, सुरेश चोपड़ा, जगदीश यादव (पोस्टमैन), कैलाश चंद सैनी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

मंच संचालन सरदार सिंह जाखड़ द्वारा किया गया। उपस्थित सभी ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने रामलाल शर्मा की इस मानवीय और अनूठी पहल की मुक्तकंठ से सराहना की।

श्रीमहावीरजी सैनी समाज के निर्विरोध अध्यक्ष बने गिर्राज प्रसाद

श्रीमहावीरजी (हमारा वतन)।

कस्बा स्थित बस स्टैंड के सामने सैनी धर्मशाला पर मंगलवार शाम को सैनी समाज की रामसहाय सैनी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में अध्यक्ष पद के चुनाव एवं समाज सुधार सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। यदुवंशी सैनी समाज पाल 12 गांव के उपाध्यक्ष जियालाल सैनी, पूर्व अध्यक्ष भगवान सिंह, गोविंद सिंह सैनी ने बताया कि समाज के रिक्त चल रहे अध्यक्ष पद के लिए सर्व सहमति से पूर्व अध्यापक गिर्राज प्रसाद सैनी को महात्मा ज्योतिबा फुले सेवा समिति सैनी समाज श्री महावीर जी के अध्यक्ष पद पर सैनी समाज श्री महावीर जी के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में निर्विरोध चुना गया।

अध्यक्ष चुनने के बाद पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात समाज के गणमान्य लोगों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का साफा, शाल ओढ़ाकर मिठाई खिलाकर स्वागत कर बधाई दी।

इस अवसर पर रामसहाय सैनी, बाबूलाल, भगवान सिंह, जियालाल, बच्चू लाल, प्रभु दयाल, भीम सिंह, सुमन सैनी, प्रवीण सैनी, गोविंद सिंह, हरिलाल, उमाकांत, निर्मल सिंह, भास्कर, विष्णु, रिंकू सैनी सहित सैनी समाज के दर्जनों गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के लिए नॉमिनेशन ओपन

जयपुर (हमारा वतन)।

रीजनल सिनेमा को समर्पित अक्टूबर माह में आयोजित होने वाले 14वें राजस्थान फिल्म फेस्टिवल 2026 के लिए नॉमिनेशन ओपन हो गए हैं।

फेस्टिवल की फाउंडर संजना शर्मा ने बताया कि 14वाँ राजस्थान फिल्म फेस्टिवल जयपुर शहर में तीन-चार अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। फेस्टिवल के लिए फिल्म सबमिशन ओपन कर दिए गए हैं। सबमिशन पूर्णतया निःशुल्क हैं। फिल्म सबमिशन की अंतिम तिथि 15 अगस्त 2026 रखी गई है। अधिक जानकारी के लिए राजस्थान फिल्म फेस्टिवल की वेबसाइट www.rajasthanfilmfestival.com विजिट कर सकते हैं।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।